

संख्या - 14028/25/94-स्थान छुट्टी

भारत सरकार

कार्मिक, लौक शिक्षायत तथा पेशन मंत्रालय  
कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7-10-, 1996

### कायालिय ज्ञापन

विषय:- अधिकारिता पर और सेवा के दौरान मृत्यु के मामलों में अर्द्ध-वेतन छुट्टी के नकदीकरण के संबंध में रेलवे लो छोड़कर अन्य विभागों के औद्योगिक तथा गैर-औद्योगिक कर्मचारियों के बीच असंगति दूर करना।

मुझे, उपर्युक्त विषय पर इस विभाग के दिनांक 8.10.86 तथा 8.5.87 के कायालिय ज्ञापन संख्या-12012/1/82-स्थान छुट्टी के संदर्भ में यह कहने का निदेश हुआ है कि यह विभाग इस प्रश्न पर विचार करता रहा है कि रेलवे को छोड़कर अन्य विभागों के औद्योगिक तथा गैर-औद्योगिक कर्मचारियों के अर्द्ध-वेतन छुट्टी के मामले में 1983 के सी.ए. संदर्भ संख्या 2 के विवाचन-बोर्ड के अधिनियम के कार्यान्वयन-स्वरूप जारी उपर्युक्त आदेश के अंतर्गत 10.10.85 से की गई समता, जो 1986 के सी.ए. संदर्भ संख्या 1 के विवाचन-बोर्ड के अधिनियम के कार्यान्वयन-स्वरूप गैर-औद्योगिक कर्मचारियों को दी जाती है, क्या अधिकारिता इत्यादि पर, अर्द्ध-वेतन छुट्टी के नकदीकरण में भी लागू की जा सकती है। वित्त मंत्रालय तथा विधि-मंत्रालय के परामर्श से अब यह निर्णय लिया गया है कि औद्योगिक कर्मचारी जो फैक्ट्री-अधिनियम, 1948 के अंतर्गत शासित होते हैं, को भी अधिकारिता पर अर्द्ध-वेतन छुट्टी के नकदीकरण की सुविधा दी जाए। तदनुसार, अधिकारिता पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को अर्द्ध-वेतन छुट्टी के नकदीकरण की सुविधा देने के, इस विभाग के दिनांक 6.4.93 के कायालिय ज्ञापन संख्या-14020/1/90-स्थान छुट्टी दिनांक 13.4.94 के समरूप्यक कायालिय ज्ञापन द्वारा यथा-संशोधित के उपबोध, यथा आक्षयक परिवर्तनों लिहित, फैक्ट्री-अधिनियम, 1948 के अंतर्गत शासित औद्योगिक कर्मचारियों के संबंध में लागू किए जाएगी तथा ऐसे औद्योगिक कर्मचारियों, जो 10.10.85 को अथवा उसके पश्चात् अधिकारिता पर सेवानिवृत्त हुए होते हैं, को उक्त कायालिय ज्ञापन में उल्लिखित रूपों के अधीन, उनके खाते में जमा संपूर्ण अर्द्ध-वेतन-छुट्टीयों के नकदीकरण की सुविधा दी जाएगी और पेशन तथा सेवानिवृत्त संबंधी अन्य प्रसुविधाओं के समतुल्य पेशन की धनराशि की उपर्युक्त कायालिय ज्ञापन में विहित निधारित पेशन-फार्मूला के अनुसार देय नकद समतुल्य धनराशि में से कटौती की जाएगी।

عَلَيْهِ حَلَقَةُ، اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ

غَارِبُو بَرَاجِلُ

حَلَقَةُ اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورِ

٤. اَلْيَمِنُ ١٠١٠٨٥ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١.

فِي مَسْكُورِيَّةِ ١٠١٠٨٥ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١.

٣. اَلْيَمِنُ ١٠١٠٨٦-١٠١٠٨٧ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٧

عَلَيْهِ حَلَقَةُ ١.

اَلْيَمِنُ، فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٧، اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ عَيْنِيَّةِ ١.

مَسْكُورِيَّةِ ١٤٠٢٠/٢٧٣-١٤٠٢٧٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٧

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ ١٠١٠٨٦، فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٧ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٧ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦

فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٧ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦

٢. فَصَافِتُ اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي ١٠١٠٨٥ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦

فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٧ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦

فِي مَسْكُورِيَّةِ ١٤٠٢٨/٦٧٣-١٤٠٢٩/٦٧٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠١٠٨٦

فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٥ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٦

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٥

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٥

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٥

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٥

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٥

اَلْيَمِنُ اَلْمَسْكُورُ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٤ فِي مَسْكُورِيَّةِ عَيْنِيَّةِ ١٠٠٩٥